

उत्तरांचल शासन,
वन एवं ग्राम्य विकास विभाग,
सं० २५२ / व० एवं ग्रा० वि० वि० / २००२
देहरादून,
दिनांक २०, अप्रैल २००२

कार्यालय झाप

शासन के कार्यालय झाप संख्या २०३/जलागम/कृषि/२००२ दिनांक १५ मई २००२ द्वारा रथाई जलागम प्रबन्ध निदेशालय का गठन किया जा चुका है। एवं शासनादेश संख्या १०१/व० ग्रा० वि०/जलागम अनु०/२००२ दिनांक २४ मई २००२ द्वारा जलागम प्रबन्ध निदेशालय के प्रमुख उद्देश्य, उत्तरदायित्वों एवं कार्यों का निर्धारण किया जा चुका है। इस निदेशालय द्वारा जलागम प्रबन्ध की समस्त परियोजनाओं के समन्वयन, नियोजन, मूल्यांकन एवं अनुश्रवण आदि का कार्य किया जा रहा है।

उपरोक्त के अनुक्रम में अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निदेश हुआ है कि जलागम प्रबन्ध निदेशालय, जलागम प्रबन्ध से सम्बन्धित समस्त परियोजनाओं के लिए नोडल विभाग का कार्य करेगा। तथा निदेशालय में गठित टास्क फोर्स द्वारा जलागम प्रबन्ध से सम्बन्धित DPA, IWDP, NWDPA तथा अन्य सभी जलागम परियोजनाओं की स्वीकृति हेतु परीक्षण किया जायेगा तथा परीक्षणोपरान्त भारत सरकार को भेजने की कार्यवाही जलागम प्रबन्ध निदेशालय द्वारा ही की जायेगी। इसके साथ-साथ विभिन्न योजनाओं की प्रगति समीक्षा, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन का कार्य भी जलागम प्रबन्ध निदेशालय के माध्यम से किया जायेगा।

सभी सम्बन्धित विभाग उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

(डा० आर० एस० टोल्या)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त

प्रतिलिपि : निम्न का सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. सचिव कृषि, उत्तरांचल शासन.
2. सचिव ग्राम्य विकास, उत्तरांचल शासन.
3. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तरांचल.
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल.
5. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तरांचल.
6. अपर निदेशक कृषि, उत्तरांचल.

आज्ञा से,

(डा० आर० एस० टोल्या)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त